हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

बुधवार 18 मार्च 2026 वर्ष 02 अंक 75 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

असंभव शब्द का प्रयोग केवल कायर ही करते हैं ! बहादुर और बुद्धिमान व्यक्ति अपना मार्ग स्वयं बनाते हैं !!

नालंदा विश्वविद्यालय में कार्यवाहक कुलपति पर रहे प्रो. अभय कुमार सिंह बनाये गये झारखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति

कुलपति बनने के बाद प्रो. सिंह ने की राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से मुलाकात

सुदूर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचे उच्च शिक्षा – प्रो. सिंह

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट, राजगीर (नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय में कार्यवाहक कुलपति पद पर रहे प्रोफेसर अभय कुमार सिंह झारखंड मुक्त विश्वविद्यालय का कुलपति बनाये गये हैं। प्रो. सिंह ने कुलपति का पद संभालने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विश्वविद्यालय की वर्तमान शैक्षिक एवं प्रशासनिक स्थितियों तथा विभिन्न गतिविधियों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। झारखंड मुक्त विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं से भी परिचित कराया। विशेष रूप से विश्वविद्यालय में नामांकन बढ़ाने, झारखंड के सुदूर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने तथा सामान्य विद्यार्थियों को मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उच्चतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्पों एवं लक्ष्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

प्रोफेसर सिंह ने मुख्यमंत्री से विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास हेतु सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आग्रह भी किया। इसके अलावा प्रोफेसर सिंह ने राज्यपाल संतोष गंगवार से भी मुलाकात की।

उन्होंने कुलाधिपति संतोष गंगवार से मिलकर विश्वविद्यालय की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा विश्वविद्यालय के समग्र विकास एवं शिक्षा की गुणवत्ता उन्नयन हेतु अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया। प्रोफेसर सिंह ने राज्यपाल महोदय से भी विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए मार्गदर्शन मांगा। राज्यपाल संतोष गंगवार ने ही प्रोफेसर अभय कुमार सिंह को झारखंड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर नियुक्त किया है।

प्रोफेसर सिंह प्रख्यात इतिहासवेत्ता एवं विशिष्ट शैक्षणिक प्रशासक

प्रोफेसर अभय कुमार सिंह नालंदा विश्वविद्यालय के प्रख्यात इतिहासवेत्ता रह चुके हैं। शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में उनकी एक विशिष्ट एवं सम्मानित पहचान है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में लगातार दो वर्षों तक कार्यवाहक कुलपति के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान की हैं। उनके उस कार्यकाल को शिक्षा जगत में अत्यंत सम्माननीय दृष्टि से देखा जाता है। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के विकास हेतु कई महत्वपूर्ण एवं दूरगामी निर्णय लिए।

जेएसओयू में पारदर्शिता एवं सर्वसमावेशी नेतृत्व का संकल्प

पदभार ग्रहण करने के उपरांत प्रोफेसर सिंह ने झारखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कामकाज को अधिकाधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनोपयोगी बनाने की दिशा में तत्परता के साथ कार्य प्रारंभ कर दिया है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं प्रशासन तंत्र सेजुड़े समस्त हितधारकों को एकजुट करके सहभागिता की भावना से संस्थान को आगे ले जाने की अद्वितीय क्षमता रखते हैं। शिक्षा विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय परिवार का मानना है कि प्रोफेसर अभय कुमार सिंह के सुयोग्य एवं अनुभवी नेतृत्व में झारखंड मुक्त विश्वविद्यालय नये कीर्तिमान स्थापित करेगा। उनका दूरदर्शी नेतृत्व न केवल विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि झारखंड राज्य में उच्च शिक्षा को जन–जन तक सुलभ कराने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को भी साकार करेगा।

नालंदा में अफीम की अवैध खेती पर बड़ी कार्रवाई, ड्रोन से खुलासा, पूरी फसल नष्ट

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, परवलपुर (नालंदा)। नालंदा जिले के परवलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अस्तुपुर गांव में पुलिस ने अवैध अफीम की खेती के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर लगी फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। मद्यनिषेध विभाग, नालंदा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में तकनीक का भी सहारा लिया गया, जहाँ ड्रोन के जरिए पहले खेतों की स्थिति की पुष्टि की गई और फिर छापेमारी कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। मंगलवार को हुई इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए मद्यनिषेध विभाग के अधीक्षक लाला अजय कुमार सुमन ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद विभाग ने हिलसा टीम को अलर्ट किया था। ड्रोन सर्वे में अफीम की खेती की पुष्टि होते ही वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस टीम में हिलसा और सदर मद्यनिषेध टीम के साथ–साथ परवलपुर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। अभियान के दौरान दंडाधिकारी के रूप में पंचायत सचिव मनोरंजन कुमार की प्रतिनियुक्ति की गई थी। छापेमारी दल ने सुबह करीब 10:30 बजे परवलपुर थाना पहुँचकर स्थानीय पुलिस के साथ अस्तुपुर गांव में धावा बोला।यहाँ चिन्हित किए गए विभिन्न खेतों में लगभग 300 वर्ग फीट से लेकर 8 कट्ठा तक के क्षेत्र में अफीम की फसल लहलहा रही थी। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 11:50 बजे तक पूरी फसल को नष्ट कर दिया गया, जबकि जांच के लिए नमूने के तौर पर कुछ मात्रा सुरक्षित रखी गई है। जांच और ग्रामीणों से पूछताछ के दौरान इस अवैध धंधे में संलिप्त कई नामों का खुलासा हुआ है। स्थानीय पुलिस और विभाग ने अस्तुपुर निवासी नीतीश उर्फ तुलसी, अमीर, नरेंद्र महतो, वीरेंद्र महतो, अजय महतो, सत्येंद्र महतो और अरुण महतो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मद्यनिषेध विभाग ने स्पष्ट किया है कि नशे के इस कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अपने आस–पास मादक पदार्थों की खेती या तस्करी से जुड़ी कोई भी जानकारी तत्काल पुलिस या मद्यनिषेध विभाग को दें ताकि समय रहते सख्त कदम उठाए जा सकें।

कतरीसराय थाना क्षेत्र से पांच साइबर ठग गिरफ्तार

साइबर ठगों के गिरफ्तारी से इलाका में मचा हड़कंप

पेट्रोल पंप दिलाने के नाम पर ठगी का खुलासा, कतरीसराय से 5 गिरफ्तार

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट, कतरीसराय (नालंदा)। कतरीसराय थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गोरैया बिगहा तथा कतरपुर गांव में चलाये गये विशेष छापेमारी अभियान में पांच शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से ठगी में प्रयोग होने वाली सामान भी बरामद किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक बागीचे में बैठकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। एसपी नालंदा के निर्देश पर डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पकड़े गये ठगों में कतरपुर निवासी राजकुमार प्रसाद के पुत्र शुभम कुमार उर्फ हिमांशु, बजड़ा चक निवासी राजकुमार प्रसाद के पुत्र प्रिंस कुमार उर्फ अंजनी कुमार, गोरैया बिगहा निवासी अरविन्द कुमार के पुत्र आदित्य राज उर्फ जेपी, अखिलेश कुमार के पुत्र अमित कुमार तथा सरमेरा थाना क्षेत्र के अहियापुर निवासी प्रितम कुमार के पुत्र पियुष कुमार उर्फ अंजनी कुमार शामिल है। पुलिस ने इनके पास से 11 स्मार्टफोन, दो कीपैड मा. `बाइल, चार फर्जी सिम कार्ड तथा 89 पन्नों की ऑर्डर शीट बरामद की है, जिसमें ग्राहकों के नाम, पते और मोबाइल नंबर दर्ज थे। इसके अलावा साइबर ठगी से संबंधित अन्य उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

डीएसपी ने बताया कि यह गिरोह पेट्रोल पंप की डीलरशिप दिलाने के नाम पर लोगों से रजिस्ट्रेशन और प्रोसेसिंग शुल्क के बहाने ठगी करता था। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क और अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। छापेमारी दल में गिरियक पुलिस निरीक्षक सुमंत कुमार, थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, एएसआई धर्मेन्द्र कुमार, एएसआई मनीष कुमार, एएसआई रुदल पासवान, एएसआई संजय दास सहित थाना के जवान शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में साइबर अपराधियों में हड़कंप मच गया है। लोगों की मानें तो राजगीर प्रखंड के छबिलापुर थाना क्षेत्र के गांवों में यह धंधा प्रचंड रूप ले चुका है। अब यह थाना क्षेत्र कतरीसराय को फेल करता नजर आ रहा है। लोगों ने कहा कि पुलिस को इस ओर भी देखने की जरूरत है।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120

नालंदा में एलपीजी को लेकर प्रशासन सख्त : भरपूर स्टॉक

अफवाहों से दूर रहने की अपील, कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहार शरीफ (नालंदा)। नालन्दा जिले में रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने संयुक्त समीक्षा बैठक की। कलेक्ट्रेट में आयोजित इस बैठक में तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ आपूर्ति शृंखला की विस्तृत समीक्षा की गई।

स्टॉक में पर्याप्त सिलेंडर, निर्बाध आपूर्ति जारी

समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। आंकड़ों के अनुसार, आईओसीएल (प्व्ब्स) की 18 एजेंसियों के पास 4,501 सिलेंडर, बीपीसीएल (ठच्ब्स) की 27 एजेंसियों के पास 7,148 और एचपीसीएल (भ्च्ब्स) की 09 एजेंसियों के पास 3,684 सिलेंडर स्टॉक में उपलब्ध हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है।

अफवाहों से बचने और डिजिटल बुकिंग की अपील

जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर गैस की किल्लत को लेकर फैल रही भ्रामक अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही ऐसी अपुष्ट खबरों को साझा करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि उपभोक्ता घबराहट (Panic) में आकर अनावश्यक बुकिंग न करें और केवल डिजिटल या अधिकृत माध्यमों से बुकिंग के बाद ही सिलेंडर प्राप्त करें। कालाबाजारी करने वालों से गैस खरीदने से बचने की भी सलाह दी गई है।

शिकायत के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

गैस वितरण में आ रही किसी भी समस्या या कालाबाजारी की सूचना देने के लिए जिला प्रशासन ने नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उपभोक्ता दूरभाष संख्या 06112–233168 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एसपी भारत सोनी ने चेतावनी दी कि यदि कोई भी व्यक्ति गैस सिलेंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग में संलिप्त पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) सहित विभिन्न तेल कंपनियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता व पोषण को लेकर निकाली गयी जागरूकता रैली

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा) । ठाकुर स्थान और लेनिन नगर में मंगलवार को स्वच्छता व पोषण को लेकर जागरूकता रैली निकाली गयी। इसमें शिक्षकों व बच्चों ने भाग लिया। रैली का नेतृत्व कर रहे साहित राज ने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना है। दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना है। रैली में बच्चों ने तख्तियां लेकर शामिल हुए। उन तख्तियों पर सफाई, पोषण के संदेश लिखे थे। वहीं नारे लगाकर भी लोगों को जागरूक किया गया। लोगों को उनको स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया। शिक्षिका किरण कुमारी ने कहा कि बच्चों के साथ आम आवाम को भी जागरूक करना जरूरी है। बच्चों को सही राह दिखाना हम सबों का दायित्व बन जाता है। आगे चलकर यही बच्चे देश के भविष्य होंगे। ये विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा से लोगों को जागरूक करेंगे। रैली का आयोजन बिहार वाटर डेवलपमेंट ने किया। इस मौके पर शिवानी कुमारी सहित अन्य शामिल थे।

अनुदान घोटाले के आरोप में पी.एम.एस. कॉलेज में बवाल, कर्मचारियों ने किया पुतला दहन

केशववाणी अमर वर्मा की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहारशरीफ के स्थानीय अस्पताल चौक पर पी.एम.एस. कॉलेज के कर्मचारियों और शिक्षकों ने कथित अनियमितताओं के विरोध में जोरदार धरना–प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सचिव एवं प्रभारी प्राचार्य का पुतला दहन किया। धरना का नेतृत्व कर रहे डॉ. संजय कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. प्रियंका कुमारी समेत सैकड़ों शिक्षकों ने कॉलेज के सचिव डॉ. रघुनाथ प्रसाद कच्छवे और प्रभारी प्राचार्य डॉ. बलराम प्रसाद सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अनुदान वितरण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और पक्षपात किया गया है। उनका आरोप है कि दोनों अधिकारियों की मिलीभगत से करीब ढाई करोड़ रुपये के अनुदान में अनियमितता हुई है। प्रदर्शनकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं, दूसरी ओर प्रभारी प्राचार्य डॉ. बलराम प्रसाद सिंह ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्हो. ंने कहा कि यह आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

उनके अनुसार, एक ही परिवार के कुछ लोग कॉलेज पर कब्जा करना चाहते हैं, जबकि उनके परिवार का कॉलेज निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग बिना कार्य किए अनुदान राशि प्राप्त करना चाहते हैं और उसी साजिश के तहत यह धरना–प्रदर्शन कराया गया है।

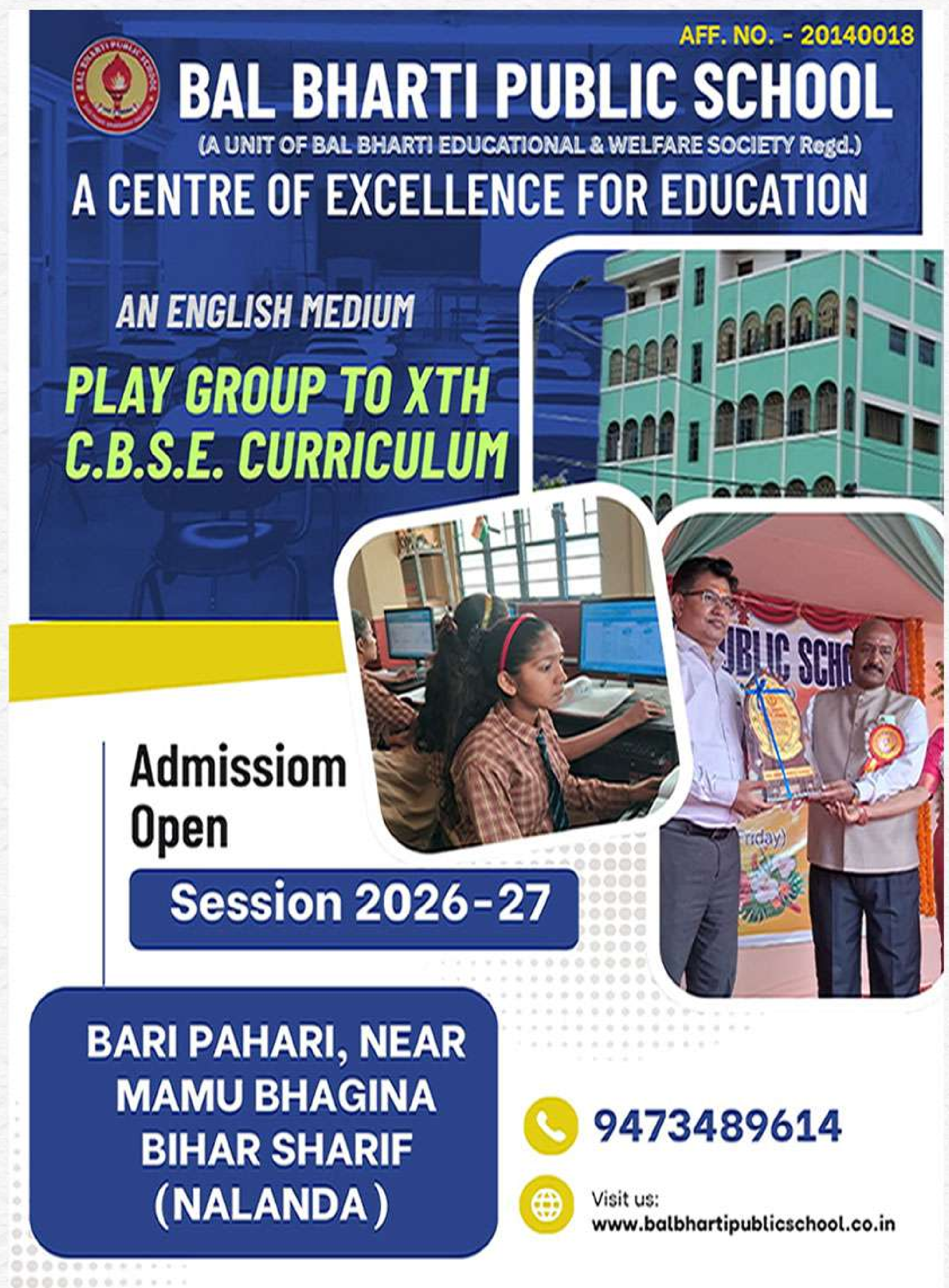

साइबर ठगों का खतरनाक जाल बेनकाब: लॉटरी, वीडियो कॉल और APK फ्रॉड से बचने के लिए नालंदा पुलिस ने जारी की बड़ी चेतावनी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहार शरीफ (नालंदा)। वर्तमान समय में तकनीक के बढ़ते प्रभाव के साथ–साथ साइबर अपराध के मामलों में भी अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इसी गंभीर विषय पर आम जनता और विशेषकर युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से नालंदा साइबर थाना की टीम द्वारा इनर व्हील क्लब के सहयोग से एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किसान कॉलेज में किया गया। इस कार्यक्रम में इंस्पेक्टर कुंती कुमारी, (SI) अबू तालिब अंसारी और प्रोग्रामर इंजीनियर निखिल आनंद ने साइबर ठगी के नए और खतरनाक तरी. कों का खुलासा करते हुए लोगों को सतर्क रहने की कड़ी हिदायत दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराधी अक्सर हमारी छोटी–छोटी जानकारियों का इस्तेमाल कर हमें अपने जाल में फंसाते हैं। सत्र को संबोधित करते हुए SI अबू तालिब अंसारी ने 'लॉटरी फ्रॉड' के पीछे के पूरे तंत्र को समझाया। उन्होंने बताया कि जब हम किसी शॉपिंग मॉल या स्टोर में अपना मोबाइल नंबर और व्यक्तिगत विवरण देते हैं, तो वहां मौजूद कुछ कर्मचारी मात्र कुछ रुपयों के लालच में वह डेटा साइबर अपराधियों को बेच देते हैं। इसके बाद अपराधी आपको 'लकी ड्रा' या 'पुरस्कार' का झांसा देकर फोन करते हैं और डिलीवरी चार्ज या कलर चॉइस के नाम पर किश्तों में हजारों–लाखों रुपये ठग लेते हैं। उन्होंने तकनीकी सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि व्हाट्सएप की 'ऑटो–डाउनलोड' सेटिंग और 'टू–स्टेप वेरिफिकेशन' का ऑन न होना आपके लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। अपराधी अज्ञात *APK* फाइल भेजकर आपके फोन का पूरा एक्सेस प्राप्त कर सकते हैं, जिससे बिना आपकी जानकारी के रात भर में बैंक खाता खाली हो सकता है। वहीं महिला अधिकारी कुंती कुमारी ने सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के माध्यम से होने वाली ब्लैकमेलिंग के प्रति छात्राओं और युवाओं को आगाह किया।उन्होंने बताया कि अनजान व्यक्ति के वीडियो कॉल को रिसीव करना जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि अपराधी आपकी वीडियो रिकॉर्ड कर उसे एडिट करते हैं और फिर सामाजिक मान–प्रतिष्ठा का डर दिखाकर पैसे वसूलते हैं। उन्होंने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे दावों को पूरी तरह फर्जी बताते हुए कहा कि कानून में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। यदि किसी के साथ ऐसी घटना होती है, तो उसे डरने के बजाय तुरंत अपने अभिभावकों या पुलिस से साझा करना चाहिए। विशेषज्ञों ने सलाह दी कि अपनी जन. मतिथि, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर जैसे विवरण कभी भी किसी अज्ञात व्यक्ति को न बताएं और मोबाइल में अनावश्यक ऐप्स रखने से बचें। यदि कोई साइबर ठगी का शिकार होता है, तो सबसे पहले सिम कार्ड निकाल देना चाहिए ताकि डेटा का आदान–प्रदान रुक सके और तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी हथियार है।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन
देने के लिए संपर्क करें
7033325120

अत्याचार निवारण अधिनियम की समीक्षा बैठक, 560 लाख की सहायता राशि वितरित

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 तथा मैनुअल स्कैवेंजर्स निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, 2013 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की वर्ष 2026 की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिनियम के तहत दर्ज मामलों, पीड़ितों को दी गई आर्थिक सहायता तथा लंबित मामलों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 179 लाभुकों को प्रथम किस्त और 428 लाभुकों को द्वितीय किस्त के रूप में कुल 560 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके अलावा जिले में इस अधिनियम के अंतर्गत 64 लाभुकों को नियमित रूप से मासिक पेंशन भी दी जा रही है। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए और पात्र पीड़ितों को समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्ता, जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि, समिति के सदस्य, जिला कल्याण पदाधिकारी, विशेष लोक अभियोजक, एससी–एसटी थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नालंदा में नदी किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी- लापता आटा चक्की संचालक की मौत पर रहस्य बरकरार, जांच में जुटी पुलिस

केशववाणी गुड्डू कुमार की रिपोर्ट, नगरनौसा (नालंदा)। नालंदा जिले के नगरनौसा थाना अंतर्गत रघुनाथपुर ग्राम में मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। नदी किनारे शव होने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगरनौसा पुलिस को सूचना मिली कि रघुनाथपुर स्थित कमलेश राम के घर के सामने, डोर नदी के दक्षिणी किनारे पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही नगरनौसा थानाध्यक्ष ने दल–बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचकर क्षेत्र को सुरक्षित किया और मामले की छानबीन शुरू की। निरीक्षण के दौरान मृतक की पहचान चण्डी थाना क्षेत्र के निवासी रामचंद्र महतो के पुत्र (40) राजू कुमार के रूप में हुई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसकी गुमशुदगी को लेकर चण्डी थाना में प्राथमिकी भी दर्ज थी। हालांकि, स्थानीय ग्रामीण रघुनंदन कुमार ने बताया कि राजू बीते 9 तारीख की शाम से ही लापता था और वह गांव में आटा चक्की चलाने का काम करता था। 9 तारीख की शाम से ही वह घर नहीं लौटा था।घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ चण्डी थानाध्यक्ष और एफएसएल (FSL) की टीम ने भी मौके पर पहुँचकर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस की प्रारंभिक जांच और घटनास्थल के निरीक्षण से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि युवक की मौत पानी में डूबने के कारण हुई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ भेज दिया है। हिलसा डीएसपी–शैलजा का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है और गांव में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुरक्षा को लेकर नालंदा प्रशासन सक्रिय, 'अटल वयो अभ्युदय योजना' से जागरूकता अभियान तेज

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर भवन में एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और सामाजिक सुरक्षा कोषांग, नालंदा के तत्वावधान में "अटल वयो अभ्युदय योजना" के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और नई पीढ़ी (Gen) के साथ उनके संबंधों पर केंद्रित एक विशेष जागरूकता कॉमिक पुस्तिका (संवाद संस्करण) का विमोचन भी किया।

कानूनी अधिकारों के प्रति किया जागरूक

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल केवल पारिवारिक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक कानूनी अनिवार्यता भी है। उन्होंने बताया कि 'माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' और बिहार नियमावली 2012 के तहत बुजुर्गों की संपत्ति, जान–माल और भरण–पोषण की सुरक्षा के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी वरिष्ठ नागरिक को अपने जीवन या संपत्ति पर खतरा महसूस होता है या उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, तो वे सीधे अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) के समक्ष आवेदन दे सकते हैं। जिला प्रशासन ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करता है।

बेदखल होने पर मिलेगा सरकारी आश्रय

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि यदि किसी बुजुर्ग को उनके घर से बेदखल किया जाता है, तो उन्हें सरकारी या गैर–सरकारी वृद्धाश्रमों में आश्रय दिलाने के साथ–साथ भोजन और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए अनुमंडल स्तर पर भरण–पोषण अधिकरण गठित हैं, जहाँ इन समस्याओं का निपटारा किया जाता है।

नुक्कड़ नाटक से दी गई सीख

कार्यक्रम के दौरान 'बिहार गौरव दूत' की टीम ने मर्मस्पर्शी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पंचायत स्तर तक इस योजना का प्रचार–प्रसार करें ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उप विकास आयुक्त, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक, पुलिस उपाधीक्षक (सुरक्षा) और सदर अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित बड़ी संख्या में वृद्धजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120

राजगीर में त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक, प्रशासन ने दिए आवश्यक निर्देश

केशववाणी संजीव कुमार बिट्टू की रिपोर्ट, राजगीर (नालंदा)। आगामी ईद–उल–फितर, चौती छठ, रामनवमी एवं चौती नव दुर्गा पर्व 2026 को लेकर अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (आरआईसीसी) के सभागार में अनुमंडल स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी, राजगीर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजगीर ने संयुक्त रूप से की। बैठक में विभिन्न विभागों के पदा. धिकारी एवं अनुमंडल शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर अपने–अपने सुझाव प्रस्तुत किए। सदस्यों ने विशेष रूप से पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असु. विधा न हो। प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर अपने–अपने विभाग से जुड़े सभी आवश्यक कार्य समय पर पूरा करें। साथ ही, गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल एवं बिजली की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि आगामी पर्वों के दौरान विधि–व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर ली गई है।

इन स्थानों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। शांति समिति के सदस्यों से अपील की गई कि वे छठ पूजा एवं रामनवमी जुलूस के आयोजकों को प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों की जानकारी दें और उनके अनुपालन में सहयोग करें, ताकि सभी त्योहार शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सकें।

19 से 29 मार्च तक चौत्र नवरात्र व चौती छठ महोत्सव, बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में होंगे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम

केशववाणी । प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिला पूजा उत्सव समिति की ओर से इस वर्ष भी चौत्र नवरात्र और चौती छठ पूजा का आयोजन भक्ति और उल्लास के साथ किया जाएगा। समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 मार्च से 29 मार्च 2026 तक बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर, पुलपर (बिहारशरीफ) में मां भगवती दुर्गा की आराधना और छठ पूजा से जुड़े विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति के सचिव शैलेश कुमार ने बताया कि 19 मार्च को चौत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन कलश स्थापना के साथ नवरात्र की शुरुआत होगी। इसके बाद प्रतिदिन देवी पूजा, भजन–कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।24 मार्च को प्रतिमा स्थापना (प्राण प्रतिष्ठा) का कार्यक्रम होगा। 26 मार्च को महाष्टमी व्रत, जागरण और महानिशा पूजा आयोजित की जाएगी। 27 मार्च को महानवमी एवं रामनवमी का आयोजन होगा। 28 मार्च को विजय दशमी के साथ नवरात्र का समापन, नीलकंठ दर्शन और प्रतिमा विसर्जन का कार्यक्रम होगा। वहीं चौती छठ पूजा के तहत 22 मार्च को नहाय–खाय, 23 मार्च को लोहंडा (खरना), 24 मार्च को संध्या कालीन अर्घ्य और 25 मार्च को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर पारण किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार और उपाध्यक्ष राज वर्द्धन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि पूजा के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखें। छठ व्रती माताओं एवं बहनों से अनुरोध किया गया है कि तालाब या नदी में निर्धारित सीमा–रेखा से आगे न जाएं। साथ ही श्रद्धालुओं से यह भी आग्रह किया गया है कि छठ घाट पर आतिशबाजी और पटाखों का प्रयोग न करें तथा यदि कोई बच्चा रास्ता भटक जाए तो उसे समिति के पंडाल तक पहुंचाने में सहयोग करें। नालंदा जिला पूजा उत्सव समिति ने जिलेवासियों को हिंदू नववर्ष और चौत्र नवरात्र की शुभकामनाएं भी दी हैं।

पटना में 18 मार्च को 'समता महाजुटान और मार्च', यूजीसी रेगुलेशन और 65% आरक्षण के समर्थन में जुटेंगे लोग

केशववाणी । प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट पटना। सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा में भेदभाव के खिलाफ आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से 18 मार्च को राजधानी पटना के गांधी मैदान (गेट नंबर 10) पर "समता महाजुटान और मार्च" का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम यूजीसी रेगुलेशन्स के समर्थन और बिहार में एससी, एसटी, ईबीसी तथा बीसी वर्गों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर आयोजित हो रहा है। आयोजकों के अनुसार, देश में लंबे समय से जाति आधारित भ. ेदभाव और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आती रही हैं, जो शिक्षा संस्थानों में भी देखने को मिलती हैं। उनका कहना है कि स्कूलों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक वंचित वर्गों के साथ असमान व्यवहार और उत्पीड़न के मामले बढ़ रहे हैं। कई घटनाओं में छात्रों की मौत तक हो चुकी है, जिन्हें संस्थागत विफलता का परिणाम बताया जा रहा है। इस संदर्भ में यूजीसी द्वारा लाए गए "Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations] 2026" को एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया है, जिसमें पहली बार एससी–एसटी के साथ ओबीसी वर्ग को भी शामिल किया गया। हालांकि, इस रेगुलेशन को अदालत में चुनौती दिए जाने और केंद्र सरकार की ओर से ठोस पक्ष न रखने को लेकर आयोजकों ने चिंता जताई है।

आयोजकों का यह भी कहना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में वंचित वर्गों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है और भेदभाव की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। आरक्षण नीतियों के अनु. पालन में भी कमी बताई गई है, जो संविधान के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भी आलोचना की गई है। इसे गरीब और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा की पहुंच को सीमित करने वाला बताया गया है। साथ ही, शिक्षा के बढ़ते निजीकरण और नई व्यवस्थाओं को लेकर भी चिंता जताई गई है। बिहार में जाति सर्वे के आधार पर एससी, एसटी, ईबीसी और ओबीसी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के निर्णय का उल्लेख करते हुए आयोजकों ने इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाई है, ताकि इसे न्यायिक हस्तक्षेप से सुरक्षित रखा जा सके।मार्च के दौरान विभिन्न मां. गों को प्रमुखता से उठाया जाएगा, जिनमें यूजीसी–2026 रेगुलेशन को कानून का दर्जा देना, संस्थागत भेदभाव को दंडनीय अपराध घोषित करना, राष्ट्रीय समता आयोग का गठन, न्यायपालिका में वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को वापस लेना तथा जाति जनगणना को पारदर्शी तरीके से लागू करना शामिल है। आयोजकों ने आम लोगों, खासकर युवाओं और छात्रों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस महाजुटान में शामिल होकर सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 18 मार्च का दिन ऐतिहासिक रहा है और इस दिन को सामाजिक परिवर्तन के नए संकल्प के रूप में यादगार बनाया जा सकता है।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित, 'संबल' योजना के तहत मिली मदद

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र 'संबल' योजना के तहत जिले में चिन्हित दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार एवं उप विकास आयुक्त शुभम कुमार ने लाभार्थियों को उपकरण सौंपे। इस दौरान कुल 5 श्रवण यंत्र, 1 एमएसआईईडी किट तथा 1 बैसाखी का वितरण किया गया। अधिकारियों ने मौके पर ही श्रवण यंत्रों की कार्यक्षमता की जांच कर यह सुनिश्चित किया कि सभी उपकरण सही तरीके से काम कर रहे हैं।जिलाधिकारी और उप विकास आयुक्त ने दिव्यांगता कोषांग के कर्मियों को निर्देश दिया कि लाभार्थियों को उपकरणों के सही उपयोग की पूरी जानकारी दी जाए और उनका प्रदर्शन भी कराया जाए। साथ ही एमएसआईईडी किट प्राप्त करने वाले लाभार्थी को पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हुए अधिकारियों ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। इस पहल से दिव्यांगजनों को आत्म. निर्भर बनने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

सिलाव थाना के विभिन्न कांडो में फरार चल रहे नीतीश की हुई गिरफ्तारी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। सिलाव थाना क्षेत्र के कई कांडों में संलिप्त करियन्ना गांव निवासी भृगुनंदन प्रसाद के पुत्र नीतीश कुमार को राजगीर अनुमंडल पुलिस ने पटना के राजीव नगर से गिरफ्तार किया। डीएसपी संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि नीतीश कुमार कांड सं.–330/25 एवं अन्य कांडो के वांछित अपराधी रह चुका है। पिछले चार मं. हनों से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिये लगातार छापमारी की जा रही थी। इस दौरान नीतीश कुमार के द्वारा मनगढ़ंत व भ्रामक तथ्यों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया भी किया जा रहा था। इसमें पुलिस पदाधिकारियों पर तरह–तरह का झूठा आरोप लगाया जा रहा था, जिससे पुलिस विभाग की छवि धूमिल हो रही थी, जिस संबंध में नीतीश कुमार पर विभिन्न तिथियों में एफआईआर दर्ज की गयी है।रविवार को नीतीश का लोकेशन राजीव नगर पटना में होने की सूचना मिली। उक्त सूचना से एसपी को सूचित किया गया। एसपी के द्वारा डीएसपी राजगीर को टीम गठित कर छापामारी व गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। डीएसपी के नेतृत्व में सिलाव, राजगीर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ पटना गये और राजीव नगर थाना के सहयोग से राजीव नगर रोड नं.–24 मुकेश यादव के मकान के किराये के कमरे से गिरफ्तारी की गयी। नीतीश कुमार के किराये के कमरे से मोबा. ईल, टैब एवं राउटर बरामद किया गया है।

गिरियक में बनेगा 5000 लीटर क्षमता का मिल्क कुलर, भूमि हस्तांतरण को मंजूरी

केशववाणी (नालंदा)। जिले के गिरियक प्रखंड में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5000 लीटर क्षमता वाले बल्क मिल्क कुलर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए जिला प्रशासन ने भूमि हस्तांतरण को मंजूरी दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार स्टेट मिल्क को–ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, पटना के प्रबंध निदेशक द्वारा मिल्क कुलर निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की अधियाचना की गई थी। इस पर अंचलाधिकारी गिरियक, भूमि सुधार उप समाहर्ता राजगीर तथा अनुमंडल पदाधिकारी राजगीर से आवश्यक प्रस्ताव प्राप्त किया गया। प्रस्ताव के तहत राजगीर अंचल के मौजा तरोखर (थाना संख्या–345) में 30 डी. भू–खंड को इस परियोजना के लिए चिह्नित किया गया है।

जिला पदाधिकारी नालंदा श्री कुंदन कुमार ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग (गव्य विकास निदेशालय), बिहार, पटना को इस भूमि के अंतवि. भागीय हस्तांतरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस परियोजना के शुरू होने से क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।